संक्षिप्त समाचार

गौतमबुद्ध नगर में मतदान कराने के लिए फूल मंडी से पोलिंग पार्टियां हुईं रवाना

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा के दूसरे चरण के तहत जनपद में शुक्रवार यानी 26 अप्रैल को मतदान होना है। लोकसभा सीट की पांचों विधानसभा के 26 लाख 75 हजार 148 मतदाता अपने सांसद का चुनाव करेंगे। नोएडा के फेस दो फूल मंडी में सुबह छह बजे से पोलिंग पार्टियों जमा हुईं और अपने-अपने मतदान केंद्र की ओर रवाना हो गईं। फूल मंडी में हर विधानसभा वाइज पंडाल बनाए गए थे। किसकी किस मतदान केंद्र पर ड्यूटी लगी है, उन सब के बारे में जानकारी के लिए एक पूछताछ केंद्र भी बनाया गया है। सभी कर्मचारी फूल मंडी में जमा हुए और पोलिंग पार्टियो की रूप में मंडी से अपने-अपने मतदान केंद्र की ओर रवाना हो गए। पोलिंग पार्टियों को रवाना करने के लिए मंडी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। डीएम, एडीएम, एसडीएम से लेकर जिले के सभी अधिकारी मंडी में मौजूद रहे। जिला प्रशासन की यह मंशा है कि गौतमबुद्ध नगर में ज्यादा से ज्यादा वोटिंग परसेंटेज हो और शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न हो जाए। सभी लोग अपने अपने मत का इस्तेमाल करें क्योंकि यह हमारा अधिकार है कि लोग अपने वोट का इस्तेमाल जरूर करें। इसके साथ ही कई पार्टियों को रिजर्व में रखा गया है। मतदान को संपन्न करने के लिए 8175 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। 2038 पार्टियों के कंधों पर चुनाव की जिम्मेदारी है।

पश्चिम से पूरब तक राजनीति के केंद्र में रहा है गन्ना, उद्योग ने बदली सियासत

लखनऊ , एजेंसी। गन्ना किसान राजनीति का बड़ा मुद्दा रहा है। पश्चिम से लेकर पूरब तक गन्ना राजनीति के केंद्र में रहा है। समय से भुगतान, बकाये पर ब्याज, गन्ना मूल्य और चीनी मिलों की मनमानी से उपजी नाराजगी का असर गन्ना बेल्ट की राजनीति पर साफ दिखता है। पिछले छह सालों में गन्ने से लेकर चीनी उत्पादन तक को पारदर्शी बनाने के लिए उठाए गए कदमों ने यहां की राजनीति पर भी असर डाला। किसानों को मेहनत का सही दाम मिले और चीनी मिलें भी फायदे में चलें, इसे ध्यान में रखकर कई फैसले लिए गए। एथेनॉल इंडस्ट्री ने तो गन्ना किसानों और चीनी मिलों के लिए 'टॉनिक' का काम किया है। एथेनॉल से मिलों का मुनाफा बढ़ा। इसका परिणाम यह हुआ कि किसानों को जल्द भुगतान होने लगा। इस बीच किसानों की मांग पर 20 रुपये रेट बढ़ाए गए। मुनाफा बढ़ने की वजह से ही गन्ने का रकबा भी बढ़ गया। या यूं कहें कि पश्चिम में जैसे-जैसे गन्ना मजबूत हुआ, भाजपा भी मजबूत होती गई। गन्ना किसानों की नाराजगी सुरेश राणा को भारी पड़ी थी। वजह थी शामली में चीनी मिल का देरी से भुगतान करना। हालांकि, अब भुगतान समय से हो रहा है। आज देश में चीनी उत्पादन में यूपी ने महाराष्ट्र को पीछे छोड़ दिया है। छह साल में रिकॉर्ड 682 लाख टन से ज्यादा चीनी उत्पादन किया गया। गन्ना बकाये को तकरीबन हर चुनाव में मुद्दा बनाया जाता रहा है। किसान आंदोलित होते थे और सरकार तरह-तरह की सफाई देती थी। वर्ष 2018 से गन्ने के पूरे अर्थशास्त्र को डिजिटल करने की शुरुआत की गई। नतीजतन सहकारी केंद्रों में गन्ना बेचने के लिए जरूरी पर्ची लेने के लिए जो मारामारी मची रहती थी, अब वह नहीं है।

हाथरस लोकसभा सीट समीकरण, तीन दशक से भाजपा का दबदबा, सपा-बसपा ने लगाया जोर

हाथरस, एजेंसी। हाथरस लोकसभा सीट पर राम मंदिर आंदोलन के बाद से हमेशा भाजपा का ही दबदबा रहा है। 1991 से ही भाजपा का इस सीट पर कब्जा है। केवल 2009 में रालोद के पास यह सीट गई थी। हालांकि उस समय भी रालोद भाजपा के साथ थी। गठबंधन के तहत उसे सीट मिली थी। मौजूदा सांसद राजवीर सिंह दिलेर के पिता किशन लाल दिलेर यहां से लगातार चार बार सांसद रहे हैं। हालांकि इस बार भाजपा ने मौजूदा सांसद राजवीर सिंह दिलेर को टिकट नहीं दिया है। उनकी जगह अनूप वाल्मीकि को उतारा गया है। सपा की तरफ से रामपुर मनिहार के प्रभारी जसवीर वाल्मीकि को मौका दिया गया है। बसपा ने हेमबाबू धनगर पर दांव लगाया है। राम मंदिर आंदोलन वाले वर्ष 1991 में भाजपा से डा. लाल बहादुर रावल चुनाव जीते। वर्ष 1996, 1998, 1999 और 2004 में लगातार किशलाल दिलेर चुनाव जीते। वर्ष 2014 में राजेश दिवाकर और फिर 2019 में राजवीर दिलेर यहां से जीतकर लोकसभा पहुंचे।

हाथरस जिले का गठन 3 मई 1997 को अलीगढ़, मथुरा और आगरा जिले के हिस्सों को मिलाकर किया गया था। मायावती सरकार में जिले का नाम गौतम बुद्ध की माता के नाम पर महामाया रखा गया था। साल 2012 में दोबारा इसे हाथरस कर दिया गया। हाथरस सुरक्षित सीट पर हमेशा ही भाजपा का दबदबा रहा है। अब तक हुए कुल 15 चुनावों में सात बार भाजपा जीती है। 2009 में भाजपा गठबंधन से रालोद प्रत्याशी लोकसभा पहुंची थीं। कांग्रेस के चार बार सांसद हाथरस लोकसभा सीट से बने हैं। दो बार जनता पार्टी और एक बार जनता दल के प्रत्याशी ने जीत दर्ज की है।

यह सीट मुस्लिम-जाट वोटर बाहुल्य क्षेत्र है। कोरी समाज के लोगों का भी इस लोकसभा सीट पर अच्छा खासा प्रभाव है। पिछले चुनावी आंकड़ों के अनुसार यहां पर करीब 17 लाख से अधिक मतदाता हैं। इनमें से करीब 9.6 लाख पुरुष वोटर और 7.8 लाख महिला मतदाता हैं।

हाथरस लोकसभा क्षेत्र में 5 विधानसभा सीटें छर्रा, इगलास, हाथरस, सादाबाद और सिकंदरा राऊ आती हैं। चार सीटों पर भाजपा और सादाबाद सीट पर रालोद का कब्जा है। पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी के राजवीर दिलेर ने 6,84,299 वोट हासिल कर जीत दर्ज की थी। सपा के राम जी लाल सुमन को 4,24,091 वोट मिले थे। कांग्रेस के त्रिलोकी राम केवल 23,926 वोट हासिल कर सके थे। इससे पहले 2014 में बीजेपी के राजेश कुमार दिवाकर 5,44,277 वोट हासिल कर जीते थे। तब बसपा के मनोज कुमार सोनी 2,17,891 वोटों के साथ दूसरे और सपा के रामजी लाल सुमन 1,80,891 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे।

राजकुमार के इस्तीफे से कांग्रेस में बढ़ेगा असंतोष, अभी भी चल रही प्रत्याशी बदलवाने की कोशिश

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्व मंत्री एवं दिल्ली के कद्दावर कांग्रेसी नेता राजकुमार चौहान के इस्तीफे देने से प्रदेश कांग्रेस में उपजा असंतोष थमेगा नहीं बल्कि और बढ़ेगा। वजह, उत्तर पश्चिमी और उत्तर पूर्वी दोनों ही सीटों पर टिकट वितरण से ज्यादातर नेता- कार्यकर्ता नाराज चल रहे हैं। उनकी कोशिश तो अभी भी उम्मीदवार बदलवाने की चल रही है। दरअसल, अगस्त 2023 तक दिल्ली में हाशिए पर चल रही कांग्रेस की प्रदेश इकाई सितंबर 2023 में अरविंदर सिंह लवली के अध्यक्ष बनने के बाद एक बार फिर खड़ी होनी शुरू हुई। सालों से घर बैठे कांग्रेसी भी फिर से पार्टी कार्यालय आने लगे। लेकिन आलाकमान के निर्णय एक बार फिर पार्टी की मजबूती की राह में रोड़ा बन गए। पहला निर्णय आप के साथ लोकसभा चुनाव में गठबंधन तो दूसरा तीन में से दो सीटों पर स्थानीय के बजाए बाहरी उम्मीदवारों को टिकट देना रहा। अभी तक उक्त निर्णयों के विरोध स्वरूप नेताओं-कार्यकर्ताओं के मन में चिंगारी सुलग रही थी तो अब खुलकर सामने आ गया। वरिष्ठ पार्टी नेताओं का मानना है कि आप से गठबंधन का मतलब खुद अपनी जमीन छोड़ते जाना है। कांग्रेस से नाराज होकर जो लोग आप के पास चले गए थे, अब वापस कांग्रेस की ओर मुंह ताक रहे थे। लेकिन आप-कांग्रेस के गठबंधन से दिल्ली वासी स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। रही सही कसर उत्तर पूर्वी दिल्ली से कन्हैया कुमार और उत्तर पश्चिमी दिल्ली से उदित राज को टिकट देकर पूरी कर दी गई। अनेक पार्टी नेताओं ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि कोई नेता कार्यकर्ता कांग्रेस के लिए मेहनत करेगा ही क्यों? चार सीटें आप को दे दी गई जबकि दो सीटों पर बाहर के उम्मीदवार लाकर बैठा दिए गए।

2 करोड़ से ज्यादा रुपये डकार गए जालसाज

दक्षिणी दिल्ली। साइबर जालसाजों ने तीन महीने में दक्षिणी दिल्ली के निवासियों से दो करोड़ से ज्यादा रुपये की ठगी कर ली। आरोपितों ने पीड़ितों को अलग-अलग तरीकों अपना शिकार बनाया। दक्षिणी, दक्षिणी-पश्चिमी और दक्षिणी-पूर्वी दिल्ली जिले की पुलिस ने एफआइआर तो दर्ज कर ली, लेकिन जालसाजों के आकाओं तक नहीं पहुंच सकी। जबकि ठगी का सिलसिला अभी भी जारी है। इस साल जनवरी से मार्च महीने तक तीनों जिलों के साइबर क्राइम थानों में जालसाजी के करीब 79 केस दर्ज किए गए। इन मामलों में जालसाजों ने पीड़ितों की दो करोड़ से ज्यादा रुपये की गाढ़ी कमाई ठग ली। आरोपितों ने किसी से 20 लाख तो किसी ने 50 लाख रुपये की ठगी की। इसके अलावा अन्य थानों में भी 10 से ज्यादा ठगी की एफआइआर दर्ज की जा चुकी है। अभी भी ऐसे मामले आ रहे है। ऐसे शातिरों की गिरफ्तारी करना भी पुलिस के लिए मुश्किल हो गया है। जालसाज वारदात के बाद अपने मोबाइल सहित अन्य संपर्क सूत्र को बंद कर देते हैं। जालसाजों ने अधिकतर मामलों में ऑनलाइन ट्रेडिंग और टास्क देकर मोटा पैसा कमाने का झांसा देकर ठगी की है। तीन महीनों में सामने आए मामलों में 50 वारदातों को इसी तरह अंजाम दिया। वे ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर पीड़ितों से लाखों रुपये का निवेश करा लेते हैं। पैसे लेने के बाद अपना मोबाइल नंबर बंद कर देते हैं। इसी तरह ठग ऑनलाइन टास्क देकर पीड़ितों को पहले दो-तीन दिन तक दो से तीन हजार रुपये का मुनाफा देते हैं। फिर ज्यादा मुनाफा कमाने का लालच देकर उनसे लाखों रुपये फर्जी खातों में ट्रांसफर करा लेते हैं। ठगी का शिकार होने पर तुरंत 1930 पर काल करें। या फिर cybercrime.gov.in पर जाकर शिकायत दर्ज कराएं। इसके अलावा संबंधित साइबर क्राइम थाने में शिकायत की जा सकती है। सबसे पहले लोन सैटलमेंट के लिए खुद ही बैंक से संपर्क करें। सोशल मीडिया पर अपनी फोटो, वीडियो या वायस से जुड़े पोस्ट पर प्राइवेसी सेट करें, ताकि इसे कोई सेव या कॉपी न कर पाए। अनजान नंबर से काल आए तो उठाने से बचें। कोई भी व्हाट्सऐप काल करके ओटीपी मांगे तो साझा न करें। अपने व्हाट्सऐप पर टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन या टू स्टेप वेरिफिकेशन लगाएं। कभी भी दो से तीन मिनट तक मोबाइल में सिग्नल न आने पर अलर्ट हो जाएं। ठग अलग-अलग तरीकों से खाली कर रहे लोगों का खाता जालसाज आए दिन ठगी के नए नए तरीके निकाल रहे हैं। आरोपित विदेश में नौकरी दिलाने, कैश आन डिलिवरी कैंसिल कराने, बीमा पालिसी को दोबारा शुरू कराने, एआइ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के जरिये, फिंगर प्रिंट क्लोन करके, बिजली के बिल, फर्जी वेबसाइट बनाकर, व्हाट्सऐप हैक कर रिश्तेदारों से मदद मांगने के बहाने, सिम स्वैपिंग, लोन की किस्त कम राशि में कराने, विदेश से उपहार व विदेशी मुद्रा भेजने और झूठी एफआइआर दर्ज कराने सहित अन्य बहानों से पीड़ितों के बैंक खाते खाली कर रहे हैं।

वोटर आईडी नहीं तो परेशान न हों, आप भी कर सकते हैं मतदान

गाजियाबाद, एजेंसी। लोकसभा चुनाव की मतदाता सूची में अगर आपका नाम दर्ज है और आपके पास वोटर कार्ड या मतदाता पर्ची नहीं पहुंची तो परेशान न हों। आप निर्वाचन आयोग के अन्य विकल्पों को मिली मान्यता के आधार पर अन्य पहचान पत्रों से मतदान कर सकते हैं।

वोटर पर्ची और बूथ की जानकारी न होने पर इलेक्टोरल सर्च वेबसाइट पर अपना नाम खोजने के अनेक तरीके मिलेंगे। इसे वोटर आईडी कार्ड में दर्ज एपिक नंबर या मोबाइल नंबर से भी खोज सकते हैं। मतदाता वैकल्पिक पहचान पत्र के रूप में वोटर पहचान पत्र के अलावा आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक डाकघर की फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय योजना का स्वास्थ्य बीमा कार्ड, पेन कार्ड, एनपीआर के तहत आरबीआइ से जारी स्मार्ट कार्ड, केंद्र राज्य या लोक उपक्रम पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों के लिए बनाए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र से भी मतदान कर सकेंगे।

अरुणाचल में भारी बारिश से भूस्खलन में बहा हाईवे, चीन सीमा से सटे जिले से टूटा संपर्क

ईटानगर, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश के दिबांग जिले को शेष भारत से जोड़ने वाले नेशनल हाईवे 33 का हिस्सा बह गया है। बीते कई दिनों से लगातार चल रही बारिश से हुए भूस्खलन के चलते हाईवे का यह हिस्स कट कर बह गया। दिबांग घाटी चीन से सटा हुआ इलाका है और रणनीतिक लिहाज से बेहद अहम है। अथॉरिटीज का कहना है कि हाईवे का हिस्सा कट जाने से बड़ा नुकसान हुआ है और इससे आवाजाही ठप हो गई है। फिलहाल नेशनल हाईवेज एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड ने टीम को भेजा है ताकि राजमार्ग की तुरंत रिपेयरिंग की जा सके। अधिकारियों ने कहा कि मौके पर सभी जरूरी चीजें भेजी गई हैं। मौके पर खाने के सामान समेत तमाम चीजों की आपूर्ति हो रही है और किसी चीज की कमी नहीं है। दरअसल इस हाईवे का कट जाना इसलिए चिंताजनक है क्योंकि यह जिले के लोगों और सेना के लिए लाइफलाइन है। चीन से लगती सीमा तक पहुंचने के लिए सेना भी इसी हाईवे का इस्तेमाल करती है। राज्य सरकार ने हाईवे को नुकसान पहुंचने के बाद ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है और अगले तीन दिनों तक यहां से न गुजरने की सलाह दी है। अथॉरिटीज का कहना है कि हाईवे की रिपेयरिंग में कुछ दिन लगेंगे।

इस प्राकृतिक आपदा को लेकर अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू ने सोशल मीडिया पर लिखा है, यह जानकर चिंतित हूं कि हुनली और अनिनि को जोड़ने वाले हाईवे को बड़ा नुकसान पहुंचा है। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दिबांग घाटी को शेष भारत से जोड़ने के लिए जल्दी ही काम शुरू करने के आदेश दिए गए हैं। इसे लेकर अथॉरिटीज ने काम भी शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि अरुणाचल प्रदेश राज्य का बड़ा हिस्सा चीन से सटा हुआ है। यही नहीं अरुणाचल प्रदेश के एक हिस्से पर चीन दावेदारी करता है, जिसके चलते यह रणनीतिक लिहाज से संवेदनशील है।

इजरायल का समर्थन करने पर अमेरिका में विरोध-प्रदर्शन तेज, सैकड़ों छात्र गिरफ्तार

न्यूयॉर्क , एजेंसी। मिडिल ईस्ट में गाजा युद्ध को लेकर इजरायल का समर्थन करने के अमेरिका के फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। अमेरिकी विश्वविद्यालयों के कैंपस से सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार किया गया है। न्यूयॉर्क शहर में आइवी लीग कोलंबिया यूनिवर्सिटी कैंपस में बुधवार को विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ, जहां 100 से ज्यादा छात्रों को गिरफ्तार किया गया और उनके तम्बू को हटा दिया गया। कई लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। छात्रों की मांग हैं कि अमेरिका इजरायल के लिए अपना समर्थन बंद कर दे, जो गाजा में हमास के साथ युद्ध में उलझा हुआ है। गाजा में 30,000 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, इनमें से अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। उनकी यह भी मांग है कि विश्वविद्यालय इजरायल के साथ सारे संबंध तोड़ ले। छात्रों को टेक्सस-ऑस्टिन विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय, येल, ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी और दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से गिरफ्तार किया गया है। कोलंबिया की तरह हार्वर्ड, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया-बर्कले सहित दर्जनों विश्वविद्यालयों में विरोध तम्बू शिविर लगाए गए हैं। अमेरिकी संसद अध्यक्ष माइक जॉनसन ने कोलंबिया विश्वविद्यालय का दौरा किया। उन्होंने यहूदी छात्रों की रक्षा करने में विफल रहने के लिए कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट मिनोचे शफीक के इस्तीफे की मांग की, साथ ही यहूदी विरोधी भीड़ पर अमेरिकी विश्वविद्यालयों पर कब्जा करने का आरोप लगाया। इस दौरान उन्हें छात्रों के विरोध का सामना करना पड़ा। जॉनसन ने धमकी दी कि विरोध को दबाने के लिए नेशनल गार्ड को तैनात किया जा सकता है, और राष्ट्रपति जो बाइडेन से हस्तक्षेप करने का आह्वान किया। जब वह पत्रकारों से बात कर रहे थे तो छात्रों ने नारा लगाया, ÷नदी से समुद्र तक, फिलिस्तीन आजाद होगा। विश्वविद्यालय प्रशासक बीच में फंस गए हैं। उन पर दक्षिणपंथियों ने छात्रों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त कदम न उठाने का आरोप लगाया और वामपंथियों ने उन पर बहुत कठोर होने का आरोप लगाया है। शेफाक, जो लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के प्रमुख थे और मिस्र मूल के हैं, विरोध प्रदर्शन की मौजूदा लहर में पुलिस को बुलाने वाले पहले विश्वविद्यालय प्रमुख हैं, लेकिन जब जॉनसन ने उनके इस्तीफे की मांग की, तो यूनिवर्सिटी फैकल्टी और छात्रों ने उनका विरोध किया।

अमेरिका में फैल रहा जॉम्बी डियर डिजीज का संक्रमण, वर्जीनिया के पार्क में सफेद पूंछ के दो हिरण पॉजिटिव

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, सीडब्ल्यूडी एक पुरानी और भयानक बीमारी है। यह वायरस जानवरों के दिमाग को खा जाता है, जिस वजह से उनकी मौत हो जाती है। उन्होंने आगे बताया कि इस बीमारी का न तो कोई इलाज है और न ही कोई टीका। कोरोना वायरस के नए वैरिएंट के मामलों के बीच अमेरिका में जॉम्बी डियर डिजीज का केस सामने आया है। पश्चिमी वर्जीनिया के हार्पर्स फेरी नेशनल हिस्टोरिकल पार्क के अंदर दो सफेद पूंछ वाले हिरणों को इससे संक्रमित पाया गया है। एक विज्ञप्ति में बताया गया कि जिन दो हिरणों को इससे संक्रमित पाया गया है, उनकी मौत हो चुकी है। बता दें कि इस बीमारी को क्रॉनिक वेस्टिंग डिजीज (सीडब्ल्यूडी) के नाम से भी जाना जाता है। बताया जा रहा है कि एंटिएटम और मोनोकेसी बैटलफील्ड पार्क में रहने वाले हिरणों को सीडब्ल्यूडी से संक्रमित पाया गया है। हार्पर्स फेरी और आसपास के नेशनल पार्क में देशी पौधों और ऐतिहासिक परिदृश्यों को संरक्षित रखने के लिए हिरणों की जनसंख्या को कम किया जा रहा है। पार्क सेवाएं हिरणों की आबादी नियंत्रित करने के लिए समय समय पर कुछ पार्कों में शिकार आयोजित करती है। विज्ञप्ति में बताया गया कि इस साल तक इन पार्कों में परिणाम निगेटिव हैं। अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, यह एक पुरानी और भयानक बीमारी है। यह वायरस जानवरों के दिमाग को खा जाता है, जिस वजह से उनकी मौत हो जाती है। उन्होंने आगे बताया कि इस बीमारी का न तो कोई इलाज है और न ही कोई टीका। यह वायरस जानवरों के साथ बल्कि मनुष्य को भी प्रभावित करता है। इस बीमारी का पता पिछले साल येलोस्टोन नेशनल पार्क में नवंबर में चला था।

हिजबुल्ला का इजरायल पर आक्रामक हमला, एक साथ दागे 35 रॉकेट ; हवाई हमले के बजने लगे सायरन

यरुशलम, एजेंसी। ईरान समर्थित लेबनान के सशस्त्र समूह हिजबुल्ला ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए उत्तरी इजरायल में 35 राकेट दागे हैं। राकेटों हमले से उत्तरी इजरायल के सफेड शहर और आसपास के क्षेत्रों में हवाई हमले के सायरन बज गए। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि हमले में कोई घायल नहीं हुआ है। इसके जवाब में इजरायल ने भी दक्षिण लेबनान में हिजबुल्ला के बुनियादी ढांचे पर हवाई हमले किए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा पट्टी में युद्ध की शुरुआत के एक दिन बाद आठ अक्टूबर, 2023 से इजरायल और हिजबुल्ला के बीच चल रही सीमा पार लड़ाई में यह हिंसा नवीनतम थी। इजरायली सेना ने सोमवार को कहा कि इजरायली रक्षा बलों ने दक्षिणी लेबनान में राकेट लांचरों से हिजबुल्ला के बुनियादी ढांचे पर हमला किया। इससे पहले सोमवार को इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के अरजौन और ओडाइसेह गांवों में दो बुनियादी संरचनाओं पर हमला किया था, जहां हिजबुल्ला लड़ाके मौजूद थे। उधर, खान यूनिस के खाली पड़े सबसे बड़े अस्पताल परिसर में 283 लोगों की सामूहिक कब्रें मिलने के दावे को इजरायली सेना ने खारिज कर दिया है। गाजा प्रशासन ने आरोप लगाया गया था कि इन लोगों को इजरायली सैनिकों ने मारकर जमीन के नीचे दबा दिया था।

- सूचना -

फ़रीदाबाद ज़िला में भेदीनज़र समाचारपत्र में अपने समाचार,विज्ञापन देने और अख़बार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें -

1-गोपाल न्यूज़ एजेन्सी
अम्बेडकर चौक बल्लभगढ़
मोबाइल नम्बर-9811477 204
2-नरेंद्र बुक्स शाप
मूँगफली चौक ऐन.आई. टी. नम्बर -5 फ़रीदाबाद
मोबाइल नम्बर : 9810229192
3-दीक्षित न्यूज़ एजेन्सी ओल्ड फ़रीदाबाद
मोबाइल-98111 59238

छोटा विज्ञापन
बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं
कॉल करें
0120-4152063,
9811157 562

नई एवं तरोताजा ख़बरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए
सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु. 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए
बम्पर ड्रा
पहला इनाम
एक हीरो बाईक
दूसरा इनाम
एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम
तीसरा इनाम
बीस मोबाईल फोन
- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2024 से 31 दिसम्बर 2024 तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2024 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम
- हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते है।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।

आर.एन.आई. नं. DEL/HIN/2004/13528
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
1001/1002 दसवां तल नौरंग हाऊस, 21 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली -1 से प्रकाशित
एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा